Appointments

अध्यापक - शिक्षा की गुणवत्ता
Quality of Teacher Education

आज शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता पर बल दिया जा रहा है। इसी Topic पर आज कल विचार-गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा अनुसंधान की गुणवत्ता पर राष्ट्रीय स्तर - बड़ौदा, दिल्ली तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में विचार-गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी प्रकार अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता पर विचार-गोष्ठियों का आयोजन में विषय-विशेषज्ञ तथा अध्यापक शिक्षा के प्रवक्ताओं की भागीदारी रहती है। अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता का विवेचन कक्षा से बाहरी पक्षों पर किया जाता है। कक्षा के आन्तरिक पक्षों को महत्व नहीं दिया जाता है जब कि कोठारी आयोग ने आरम्भ में ही कथन दिया है कि — "भारत के भाग्य का निर्माण उसकी कक्षाओं में हो रहा है" In English "Destiny of India is shaping in her classroom"

स्वतंत्रता के बाद से ही अध्यापक शिक्षा-संस्थाओं का विकास अधिक हुआ है लेकिन प्रभावशाली शिक्षक तैयार नहीं हो पा रहे हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता का विकास किया जाये।

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की स्थापना इसी उद्देश्य से की गयी कि राष्ट्रीय स्तर पर अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता का विकास किया जा सके। लेकिन यह परिषद इस दिशा में कोई सकारात्मक कार्य नहीं कर पा रही है।

इस प्रकरण पर चर्चा करने से पहले तीन शब्दों - गुणवत्ता, अध्यापक तथा शिक्षा का अर्थ समझना चाहिए।

गुणवत्ता का अर्थ (Meaning of Quality)

गुणवत्ता शब्द उद्योग से लिया गया है इसका अर्थ उत्पादन (Product) से होता है - गुणवत्ता उद्योग में लाई जाती है, उसका आकलन उपभोक्ता द्वारा किया जाता है, इसी तरह प्रभावशाली अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाएं तैयार करती है। तथा विद्यालय उनकी प्रभावशीलता का आकलन करते है।

अध्यापक प्रभावशीलता के तीन घटक योग्यता, प्रक्रिया तथा उत्पादन प्रयुक्त किया गया। अध्यापक शिक्षा को प्रत्यक्ष व सीखा सम्बन्ध प्रक्रिया ~~तथा उत्पादन प्रयुक्त~~ किये गये है शिक्षण की प्रभावशीलता से है। छात्राध्यापको में शिक्षण की क्षमताओं का आयोजित विकास करना, जिससे वे शिक्षण में सक्षम हो

गुणवत्ता को इस प्रकार समझा जा सकता है।

"किसी वस्तु को कोई कितना महत्व देता है, यह उस,, वस्तु की गुणवत्ता मानी जाती है।

"Quality is the value of thing by someone"

अर्थशास्त्री व्यक्ति कि आवश्यकता से वस्तु का ~~[illegible]~~ महत्व भी बदलता रहता है।

। अध्यापक का अर्थ (Meaning of Teacher

Previous Answer.

शिक्षा का अर्थ (Meaning of Educa

Previous Answer

शिक्षण का अर्थ (Meaning of Teaching)

शिक्षण शब्द की परिभाषा व्यापक नहीं दी जा सकती क्योंकि यह सामाजिक प्रत्यय है। देश तथा राष्ट्र की शासन प्रणाली भी शिक्षण के स्वरूप को प्रभावित करती है।

शिक्षण विषय, शिक्षण उद्देश्य तथा शिक्षण स्तर आदि भी शिक्षण की प्रकृति को प्रभावित करते हैं। फिर भी बी० ओ० स्मिथ की की परिभाषा व्यापक है -

"Teacher is system of actions and activities which induce learning"

"शिक्षण क्रियाओं तथा हाव-भाव की प्रक्रिया है, जिससे अधिगम होता है, जिसमें छात्र तथा अध्यापक की पारस्परिक अन्तःक्रिया अपेक्षित है।"

थामस एफ. ग्रीन - ने शिक्षण को व्यापक अर्थ में प्रयुक्त किया है। उनका कहना है कि जो कुछ सीखते हैं वह शिक्षण का ही परिणाम है, लेकिन यह आवश्यक नहीं कि शिक्षण के द्वारा अधिगम ही हो। शिक्षण का सम्पादन अधिगम के लिये ही किया जाता है। इसलिए शिक्षण सक्षमता के घटकों का उल्लेख किया गया है। अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता मुख्यतः अध्यापकों की योग्यता पर निर्भर है।

Appointments

एक अच्छे अध्यापक के गुण
Quality of a Good Teacher

इस पक्ष में अध्यापक की मानसिक क्षमता, शिक्षा, विषय सम्बन्धी ज्ञान, शिक्षण अनुभव आदि पर चर सम्मिलित होते है।
प्रभावशाली अध्यापक के लिए यह आवश्यक है कि वह बुद्धिमान हो तथा उसकी उच्च शैक्षिक योग्यता (निष्पत्ति) हो।

एच. एस. कार (1967) – ने अनेक अध्ययनों के निष्कर्ष के फलस्वरूप अध्यापक की निर्णय लेने की क्षमता, विचार शक्ति तथा मानसिक जागरुकता का इसके शिक्षण कुशलता से गहरा सम्बन्ध बताया। एक अच्छे अध्यापक के गुणों को प्रमुख रूप से तीन रूपों में विभाजित किया जा सकता है –

① ज्ञानात्मक विशेषताएँ या गुण (Cognitive Quality)

② भावात्मक विशेषताएँ या गुण (Affective Quality)

③ क्रियात्मक विशेषताएँ या गुण (Psychomotary Skills Quality)

① अध्यापक की ज्ञानात्मक विशेषताएँ/गुण
Cognitive Quality of Teacher-

शिक्षण विद्यालयों में प्रवेश देते समय इस

Scanned with CamScanner

को भी विशेष महत्व दिया जाता है कि जो छात्र इस व्यवसाय में सम्मिलित हों, वह कम से कम औसत निष्पत्ति वाले हों। यह तथ्य है कि जिस प्रकार संवेगात्मक दृष्टि से अस्थिर व्यक्ति शिक्षा व्यवसाय में सफल नहीं होता। इसी प्रकार निम्न शैक्षिक स्तर वाला व्यक्ति प्रभावशाली शिक्षक नहीं कर पाता है। यह देखा गया है कि उच्च स्तरीय ग्रेड बिन्दु का श्रेष्ठ शिक्षण से धनात्मक सह-सम्बन्ध है।

शिक्षा की ज्ञानात्मक विशेषताओं में एक महत्वपूर्ण यह भी है कि अध्यापक अपने छात्रों के सम्बन्ध में कितना जानता है।

औजमैन तथा विलकिन (1939) - ने

अपने अध्ययन से निष्कर्ष निकाला था कि जो अध्यापक अपने छात्रों के बारे में अधिक जानते हैं तथा छात्रों से सम्बन्धित अनेक सूचनाओं से परिचित हो, इनको छात्रों की शैक्षिक निष्पत्ति उन छात्रों की तुलना में अधिक होती है - जिनके अध्यापक इनके बारे में कुछ नहीं जानते हैं।

प्रशिक्षण काल में अध्यापक की अध्ययन-अभ्यास की निष्पत्ति का भी शिक्षण-कुशलता के साथ धनात्मक सम्बन्ध होता है।

Scanned with CamScanner